तो कुंडली का दबाव कम हुआ। सयाल ने इतनी ज़ोर से झटका दिया कि निर्मला साँप की कुंडली से छूटकर दूर जा गिरी। अब साँप का शिकार सयाल थी।

सयाल ने निर्मला को भाग जाने के लिए कहा। लेकिन वह ऐसा न कर सकी। वह सयाल की मदद करना चाहती थी। उसने देखा अजगर सयाल पर बार-बार हमला कर रहा है और सयाल बड़े साहस से उसका सामना कर रही है।

निर्मला ने एक क्षण के लिए सोचा कि ऐसी साहसी और वीर सयाल से मैं व्यर्थ ही चिढ़ती रही। आज यह न होती तो यह दैत्य मुझे खा जाता और अब इस दैत्य से मैं सयाल को नहीं बचा पा रही हूँ।

सयाल पूरी ताकत से अजगर के मुँह को पकड़कर पीछे हटाने में लगी थी। सयाल के काँपते कंधे बता रहे थे कि अब उसकी शक्ति **शिथिल पड़** रही है।

साँप बड़ी ज़ोर से फुफकारा। उसने एक बार फिर अपना सिर बढ़ाया और सयाल की छाती के पास आ गया। सयाल फिर उसके जबड़े पकड़कर उसे पीछे हटाने लगी। उसने एक बार फिर निर्मला को भाग जाने के लिए कहा। तभी निर्मला ने देखा कि अजगर सयाल को गिराकर उसके ऊपर पड़ा है। एक क्षण के लिए सयाल बिलकुल जड़ हो गई।

बहुत भयानक दृश्य था। साँप सयाल को निगलना चाहता था और सयाल हिम्मत से उसका मुकाबला कर रही थी। उसकी आवाज़ कमज़ोर हो रही थी। निर्मला ने सयाल की धीमी आवाज़ सुनी...

''भाग जा निर्मला।'' लेकिन निर्मला अब कैसे भागती, अपनी सहेली को मौत के मुँह में डालकर भाग जाती?

तभी उसने देखा कि सयाल में अद्‌भुत शक्ति आ गई है। उसने एक बार में उस दैत्य को झटककर दूर फेंक दिया

शब्दार्थः शिथिल पड़ना–ढीला पड़ना, कमज़ोर पड़ना

और बिजली की तरह भाग खड़ी हुई।

''भाग चल निर्मला...मवेशियों को भी ले चल...''

अब निर्मला भी भागने लगी। उसने पीछे मुड़कर न तो देखा और न देखने का साहस कर सकी। बस भागती रही ...भागती रही। कुछ देर बाद पीछे-पीछे सयाल भी आ गई और निर्मला का हाथ पकड़कर दौड़ने लगी। वे दौड़ती रहीं और वहाँ जाकर रुकीं जहाँ मवेशी शांति से चर रहे थे और कोई खतरा न था।

दोनों बड़ी देर तक हाँफ़ती रहीं और बिना कुछ बोले एक-दूसरे को देखती रहीं।

अचानक निर्मला की आँखों से आँसू बहने लगे और उसके होंठ थरथरा उठे। उसने सयाल से कहा कि अगर वह न होती तो साँप उसे मार डालता। सयाल ने उसे धैर्य बँधाया और कहा कि सब ठीक हो जाएगा।

निर्मला ने सयाल को इस तरह देखा जैसे आज पहली बार वह उसे पहचान पाई है।

निर्मला ने कहा, ''सयाल! मैं तुम्हें अपनी मोतियों की माला भेंट में देना चाहती हूँ।''

''लेकिन क्यों? अगर तुम्हारी जगह मैं होती तो तुम भी तो मेरी मदद करतीं।''

निर्मला ने शर्म से अपना सिर झुका लिया। उसने अपने गले से माला उतारकर सयाल को देते हुए कहा, ''तुम इसे ले लो। यह तुम्हारे इस स्नेह की याद दिलाएगी।''

सयाल बड़ी देर तक निर्मला की आँखों में देखती रही। फिर उसके थके पीले चेहरे पर अचानक एक सुखद मुसकान फैल गई और वह भाव भरे स्वर में बोली, ''लूँगी, ज़रूर लूँगी।''

–सिगरुन श्रीवास्तव

पाठ में से

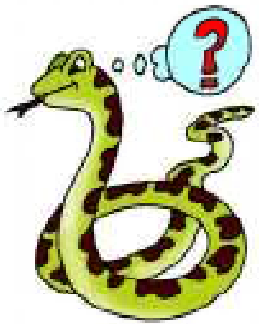

1. सयाल को सब क्यों पसंद करते थे?
2. साँप द्वारा पकड़े जाने पर निर्मला को क्या लगा?
3. साँप पर हमला किसने और कैसे किया?
4. निर्मला ने स्वयं को बचते देख और सयाल को अजगर का शिकार करते देख क्या सोचा?
5. **रिक्त स्थान भरिए–**

   (क) सयाल के पिता का नाम .... था।

   (ख) कुछ फर्लांग की दूरी पार करने के बाद निर्मला .... की ओर मुड़ गई।

   (ग) निर्मला ने भी अपनी पीड़ा को सहने के लिए .... बटोरा।

   (घ) एक क्षण के लिए सयाल बिलकुल .... हो गई।

   (ङ) निर्मला ने सयाल से कहा कि अगर वह न होती तो साँप उसे .... डालता।
6. **पाठ के आधार पर नीचे कुछ वाक्य दिए गए हैं। कहानी की घटनाओं के अनुसार उनके आगे क्रम संख्या लिखिए–**

   ☐ अचानक यह फुफकार सुनकर निर्मला के प्राण सूख गए।

   ☐ निर्मला खुशी से उछल पड़ी और मवेशियों को हाँकते हुए गाँव के धूल भरे रास्ते पर चल पड़ी।

   ☐ अचानक साँप पर किसी ने लाठी से वार किया।

   ☐ साँप सयाल को निगलना चाहता था।

   ☐ गायों की घंटियों की आवाज़ सुनकर सयाल ने इधर-उधर देखा।

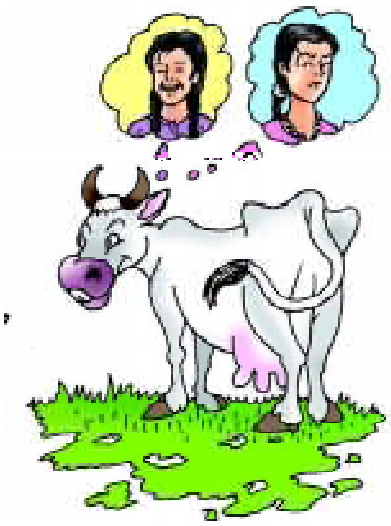

बातचीत के लिए

1. सयाल के काँपते कंधे क्या बता रहे थे?
2. सयाल ने निर्मला को भाग जाने के लिए क्यों कहा?
3. आपको स्कूल में क्या-क्या अच्छा लगता है और क्यों?

अनुमान और कल्पना

1. सयाल निर्मला की सहायता न करती तो क्या होता?
2. निर्मला को खेतों में जाना क्यों अच्छा लगता होगा?
3. यदि आप निर्मला की तरह किसी मुसीबत में फँस जाएँगे, तो आप क्या करेंगे?

भाषा की बात

1. पाठ में से नीचे दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द ढूँढकर लिखिए–

(क) राक्षस – ..... (ग) अश्रु – .....

(ख) साहस – ..... (घ) विचित्र – .....

2. नीचे लिखे विशेषण शब्दों को शब्द-कोश के क्रमानुसार लिखिए–

चमक, वीर, छोटी, पतली, मोहक, अंडाकार, ऊँची, एक, भयानक, पहली।

....

1	2	3	4	5
.....	.....	.....	.....	.....
6	7	8	9	10

3. पाठ में आए कोई तीन मुहावरे छाँटकर लिखिए व उनके अर्थ भी लिखिए–

(क) **मुहावरा** – .....

अर्थ – .....

(ख) **मुहावरा** – .....

अर्थ – .....

(ग) **मुहावरा** – .....

अर्थ – .....

जीवन मूल्य

- निर्मला और सयाल दोनों मित्र थीं।
  1. क्या सयाल ने निर्मला से मित्रता निभाई? कैसे?
  2. आप अपने मित्रों में कौन-कौन से गुण देखना चाहेंगे और क्यों?

कुछ करने के लिए

1. अभिनय द्वारा अपने चेहरे से दिए गए भावों को अभिव्यक्त कीजिए–
   (क) गुस्से से छटपटाना
   (ख) टकटकी लगाकर देखना
   (ग) भयभीत होना
   (घ) कुढ़ना
   (ङ) रुआँसा होना
   (च) खुश होना
2. अगर निर्मला पर हाथी ने हमला किया होता तो सयाल उसे कैसे बचाती? अपनी कल्पना से कहानी बनाइए और कक्षा में सुनाइए।